



दैनिक

# बुद्ध का संदेश

हिन्दी समाचार पत्र

लखनऊ, कानपुर, कन्नौज, बरेली, सीतापुर, सोनभद्र, गोण्डा, बाराबंकी, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, अम्बेडकरनगर, फैजाबाद, बस्ती, संतकबीरनगर, गोरखपुर, कुशीनगर, देवरिया, महाराजगंज, रामपुर, रायबरेली, सिद्धार्थनगर में एक साथ प्रसारित।

दैनिक बुद्ध का संदेश

8795951917, 9415163471

@budhakasandesh

budhakasandeshnews@gmail.com

www.budhakasandesh.com

उत्तर प्रदेश सरकार एवं भारत सरकार (DAVP) से सरकारी विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

एक विश्वास....

मानसून के दौरान हरी पत्तेदार सब्जियों ...8

सिद्धार्थनगर

मंगलवार ,14 जुलाई 2026

वर्ष: 13 अंक : 212 पृष्ठ: 8

आमंत्रण मूल्य 2/-रुपया

सम्पादक : राजेश शर्मा

## गलत, बेबुनियाद और मिसलीडिंग...

भारत-अमेरिका डील पर आ गई सबसे बड़ी खबर, पीयूष गोयल ने रशियर्स की रिपोर्ट पर जाने क्या कहा?

नई दिल्ली। वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने सोमवार को भारत-अमेरिका व्यापार वार्ता में गतिरोध की खबरों को पूरी तरह से गलत, बेबुनियाद और गुमराह करने वाला बताते हुए खारिज कर दिया। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक पोस्ट में गोयल ने कहा कि यह खबर पूरी तरह से गलत, बेबुनियाद और गुमराह करने वाली है। वाणिज्य मंत्री ने कहा कि जून में नई दिल्ली की यात्रा के दौरान उन्होंने अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि जेमिसन ग्रीर के साथ बहुत अच्छी बैठकें की थीं। उन्होंने फिर से कहा कि दोनों देश एक संतुलित

और आपसी फायदे वाले व्यापार समझौते को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। गोयल ने कहा कि जून में जब रूट जेमिसन ग्रीर दिल्ली आए थे, तो मेरी उनके साथ बहुत अच्छी बैठकें हुई थीं। दोनों पक्षों ने एक ऐसे समझौते के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई जो संतुलित हो, व्यावसायिक रूप से सार्थक हो और दोनों देशों के व्यवसायों किसानों श्रमिकों और उपभोक्ताओं को ठोस लाभ पहुंचाए। उन्होंने कहा हमारी टीम इस लक्ष्य को हासिल करने में पूरी तरह से जुटी हुई है। उनका यह बयान कॉमर्स सेक्रेटरी राजेश



अग्रवाल के उस बयान के बाद आया है जिसमें उन्होंने कहा था कि समझौते को पूरा करने में कोई रुकावट नहीं है। जून 2026 के ट्रेड डेटा के बारे में मीडिया को जानकारी देते हुए अग्रवाल ने कहा हमें भारत-अमेरिका ट्रेड डील की

बातचीत में कोई चुनौती नहीं दिख रही है। मीडिया ब्रीफिंग के दौरान सेक्रेटरी ने हाल की बातचीत के बारे में बताया। भारतीय टीम मई में अमेरिका गई थी। अमेरिकी टीम जून में आई थी। उन्होंने कहा बातचीत सही ढंग से चल रही है। व्यापक ट्रेड माहौल पर अग्रवाल ने कहा कि अमेरिका के टैरिफ कदमों ने कई साझेदारों के लिए अनिश्चितता पैदा कर दी है। उन्होंने कहा, एम्टि टैरिफ खत्म हो गया है... अब वे फिर से दूसरे देशों के साथ बातचीत कर रहे हैं। वे समानांतर जांच कर रहे हैं।

रहे हैं। भारत भी उन चर्चाओं का हिस्सा है। एम बातचीत में शामिल हुए हैं। सब कुछ सही दिशा में आगे बढ़ रहा है। दोनों पक्षों ने सकारात्मक सार्वजनिक रुख बनाए रखा है। अग्रवाल ने कहा, दोनों पक्ष कह रहे हैं कि सब कुछ ठीक है। डील की स्थिति पर उन्होंने कहा कि डील का ढांचा तय हो चुका है। उन्होंने कहा, भारत-अमेरिका फ्रेमवर्क डील तैयार है। हम साइन करने के लिए तैयार हैं। सही समय का इंतजार किया जा रहा है। उन्होंने आगे कहा, चीजें व्यवस्थित हो रही हैं। हम अच्छी प्रगति कर रहे हैं।

## दिल्ली दंगे का बड़ा फैसला: अधिकारी अंकित

शर्मा मर्डर केस में ताहिर हुसैन दोषी करार

नई दिल्ली। 2020 के उत्तर-पूर्वी दिल्ली दंगों के मामले में एक अहम फैसले में, दिल्ली की एक अदालत ने सोमवार को इंटेलिजेंस ब्यूरो (उड) अधिकारी अंकित शर्मा की हत्या के मामले में आप के पूर्व पार्षद ताहिर हुसैन को दोषी ठहराया। हालांकि, अदालत ने हुसैन के खिलाफ आपराधिक साजिश का आरोप हटा दिया। यह फैसला कड़कड़सा अदालत ने उस मामले में सुनाया, जिस पर सबकी नजरें टिकी थीं। यह मामला फरवरी 2020 में उत्तर-पूर्वी



से जुड़ा था। ताहिर के अलावा, इस मामले में चार और लोगों को दोषी ठहराया गया है, जिनमें नाजिम, कदसिम, अनस और जावेद शामिल हैं। हालांकि, अदालत ने पर्याप्त सबूत न होने

के कारण मामले के छह अन्य आरोपियों को बरी कर दिया। फरवरी 2020 में उत्तर-पूर्वी दिल्ली में हुए दंगों के दौरान एड अधिकारी अंकित शर्मा की बेरहमी से हत्या कर दी गई थी। बाद में उनका शव पास के ही एक नाले से बरामद किया गया, जिससे पूरे देश में भारी आक्रोश फैल गया। यह मामला शर्मा के पिता की शिकायत पर दयालपुर पुलिस स्टेशन में दर्ज किया गया था। इस मामले में ताहिर हुसैन के अलावा 10 अन्य आरोपियों को भी नामजद किया गया था।

## स्ट्रेट ऑफ होर्मुज पर होगा यूएस का कब्जा

ट्रंप का बड़ा ऐलान, दुनिया में मची खलबली

ईरान के साथ बढ़ते तनाव के बीच, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि अमेरिका होर्मुज जलडमरूमध्य पर नियंत्रण अपने हाथ में लेगा और दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण शिपिंग मार्गों में से एक की सुरक्षा करने के बदले उसे भुगतान किया जाना चाहिए। इस जलडमरूमध्य से दुनिया के कुल तेल और गैस शिपमेंट का लगभग पांचवां हिस्सा गुजरता है, जो इसे अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा आपूर्ति के लिए एक बेहद अहम लाइफलाइन बनाता है। फॉक्स न्यूज के साथ फोन पर हुए एक इंटरव्यू में ट्रंप ने कहा कि अमेरिका इस जलडमरूमध्य



का रक्षक बनेगा और समुद्री जाएंगे। हो सकता है कि हम उसे जलडमरूमध्य का संरक्षक फरिश्ता कहें। और इसके लिए हमें मुआवजा मिलना चाहिए। ट्रंप का यह बयान तब आया है जब खाड़ी में फिर से सैन्य टकराव के बाद वाशिंगटन और तेहरान के बीच इस बात को लेकर दावे-प्रतिदावे किए जा रहे हैं कि होर्मुज जलडमरूमध्य पर किसका नियंत्रण है। ईरान का कहना है कि इस जलमार्ग पर उसका अधिकार है, जबकि अमेरिका का कहना है कि अंतरराष्ट्रीय नौवहन अधिकारों के तहत व्यावसायिक जहाजों की आवाजाही जारी है।

यातायात की सुरक्षा करने के लिए वह मुआवजे का हकदार है। ट्रंप ने कहा कि हम उस जलडमरूमध्य (स्ट्रेट) पर कब्जा बनाए रखेंगे और शायद उसे हम ही चलाएंगे। हम उस जलडमरूमध्य के संरक्षक बन

ईरान ने होर्मुज में अमेरिका की भूमिका को नकारा

ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य (स्ट्रेट ऑफ होर्मुज) पर नियंत्रण करने के बारे में ट्रंप की टिप्पणी को तुरंत खारिज कर दिया। देश की शीर्ष संयुक्त सैन्य कमान ने चेतावनी दी कि वह इस रणनीतिक जलमार्ग के प्रबंधन में अमेरिका को दखल नहीं देने देगी। सेना ने कहा कि ईरान की मंजूरी के बिना अमेरिकी सेनाओं द्वारा इस जलडमरूमध्य से गुजरने की किसी भी कोशिश का फ्फड़ा जवाब दिया जाएगा। उसने क्षेत्रीय देशों को यह भी चेतावनी दी कि वाशिंगटन के साथ किसी भी तरह के सहयोग को ईरान के खिलाफ युद्ध माना जाएगा। साथ ही यह भी कहा कि अगर यह टकराव बढ़ता है, तो यह पूरे क्षेत्र में फैल जाएगा और ह्रस्वकी जिम्मेदारी अमेरिका और उसके सहयोगियों की होगी।

## पवन खेड़ा का बड़ा आरोप: पीएम मोदी नेतन्याहू से प्रेरित, लोकतंत्र में नहीं रुकीन

नई दिल्ली। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पवन खेड़ा ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आलोचना करते हुए आरोप लगाया कि वे विचारधारा के स्तर पर इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से प्रेरित हैं। एड से बात करते हुए खेड़ा ने दावा किया कि प्रधानमंत्री लोकतंत्र में विश्वास नहीं करते और उन्होंने भारत में पेगासस निगरानी विवाद को लेकर सवाल उठाए। खेड़ा ने पूछा कि असल बात तो यह है कि नरेंद्र मोदी नेतन्याहू से प्रेरित हैं। वह लोकतंत्र में यकीन नहीं रखते। उनके रोल मॉडल नेतन्याहू हैं। तो, जिस व्यक्ति के रोल मॉडल, हीरो या आइकन नेतन्याहू हों, क्या आप उससे



के किसी बेहतर चीज की उम्मीद है। खेड़ा ने प्रधानमंत्री मोदी की विदेश यात्राओं की भी आलोचना की और कहा कि इससे भारत को कोई ठोस फायदा नहीं हुआ, फिर भी जनता का पैसा खर्च किया गया। उन्होंने इतालवी प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी को भारतीय टॉपी ब्रांड श्मेलोडी का पैकेट तोहफे में देने पर मोदी का मजाक भी उड़ाया। खेड़ा ने सवाल किया कि राहुल गांधी या नरेंद्र मोदी? पेगासस स्पाइवेयर का मामला 2021 में तब सामने आया जब आरोप लगे कि इजराइली छेड़ चुप के सॉफ्टवेयर का इस्तेमाल सरकारों ने पत्रकारों, विपक्षी नेताओं और कार्यकर्ताओं की निगरानी के लिए किया था। भारतीय जनता पार्टी ने इन आरोपों से इनकार किया

कर सकते हैं? इस देश में पेगासस कौन लाया, राहुल गांधी या नरेंद्र मोदी? पेगासस स्पाइवेयर का मामला 2021 में तब सामने आया जब आरोप लगे कि इजराइली छेड़ चुप के सॉफ्टवेयर का इस्तेमाल सरकारों ने पत्रकारों, विपक्षी नेताओं और कार्यकर्ताओं की निगरानी के लिए किया था। भारतीय जनता पार्टी ने इन आरोपों से इनकार किया

## एमएलए खरीद-फरोख्त आरोप पर बीजेपी सरख

उमर अब्दुल्ला को भेजा 100 करोड़ का मानहानि नोटिस

श्रीनगर। बीजेपी ने सोमवार को जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला को कानूनी नोटिस भेजा। इसमें उनसे सात दिनों के भीतर बिना शर्त सार्वजनिक माफी मांगने को कहा गया है। यह नोटिस उनके उस आरोप के जवाब में भेजा गया है जिसमें उन्होंने कहा था कि बीजेपी ने छह विधायकों को पाला बदलने के लिए 20-30 करोड़ रुपये का लालच देकर उनकी सरकार गिराने की कोशिश की थी। यह नोटिस जम्मू-कश्मीर बीजेपी अध्यक्ष और राज्यसभा सांसद सत पॉल शर्मा की ओर से जम्मू-कश्मीर और लद्दाख हाई कोर्ट के वकील परिमोक्ष सेठ ने जारी किया।



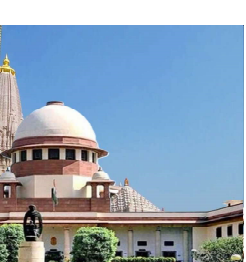
अगर माफी नहीं मांगी गई, तो कानूनी कार्यवाई की जाएगी, जिसमें 100 करोड़ रुपये का मानहानि का मुकदमा भी शामिल हो सकता है। नोटिस के अनुसार, अब्दुल्ला ने झूठे, बेबुनियाद और मानहानि करने वाले आरोप लगाए थे कि बीजेपी के पदाधिकारियों ने जम्मू क्षेत्र

के नेशनल कॉन्फ्रेंस के विधायकों से संपर्क किया था और उन्हें बीजेपी में शामिल होने के बदले 20-30 करोड़ रुपये, मंत्री पद और जम्मू-कश्मीर का राज्य का दर्जा बहाल करने का प्रस्ताव दिया था। 11 जुलाई को श्रीनगर में नेशनल कॉन्फ्रेंस के एक सम्मेलन को संबोधित करते हुए, अब्दुल्ला ने आरोप लगाया था कि सुप्रीम कोर्ट के एक वकील, जो बीजेपी के पदाधिकारी भी हैं, ने उनकी पार्टी के एक विधायक से बंद कमरे में मुलाकात की थी और बीजेपी में शामिल होने पर उन्हें 20-30 करोड़ रुपये, मंत्री पद और राज्य का दर्जा बहाल करने का प्रस्ताव दिया था।

## राम मंदिर चंदा चोरी: सुप्रीम कोर्ट ने ट्रस्ट को भेजा नोटिस

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार (13 जुलाई) को श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट को एक नोटिस जारी किया। यह नोटिस अयोध्या में राम मंदिर के लिए मिले दान की कथित चोरी की निष्पक्ष और तय समय-सीमा के भीतर जांच की मांग करने वाली याचिकाओं पर जारी किया गया। चीफ जस्टिस सूर्य कांत और जस्टिस जॉयमाल्य बागची और वी मोहना की बेंच ने उत्तर प्रदेश की स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम को दान की कथित चोरी के मामले में अपनी जांच की प्रगति पर स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करने का भी निर्देश दिया। भारत के

सॉलिडिटर जनरल तुषार मेहता, जो केंद्र और राज्य की ओर से पेश हुए, ने कहा कि स्टेटस रिपोर्ट एक सीलबंद लिफाफे में दाखिल की जाएगी। राम मंदिर दान चोरी का मामला: जून के पहले हफ्ते में राम मंदिर में चढ़ावे की गिनती के दौरान गड़बड़ी की बात सामने आने पर मंदिर के दान के कथित दुरुपयोग का मामला प्रकाश में आया। मंदिर ट्रस्ट की सिफारिश



पर, उत्तर प्रदेश सरकार ने मामले की जांच के लिए एक स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम बनाई। SIT में लखनऊ डिविजनल कमिश्नर विजय विश्वास पंत, इंस्पेक्टर जनरल ऑफ पुलिस किरण एस और स्पेशल सेक्रेटरी (फाइनेंस)

नील रतन शामिल हैं। SIT को गबन के शुरुआती सबूत मिले, जिसके बाद FIR दर्ज की गई। अब तक, इस मामले में मंदिर की दान-गिनती प्रक्रिया से जुड़े आठ लोगों को गिरफ्तार किया गया है। SIT के अनुसार, 45 दिनों की CCTV फुटेज में इन प्रक्रियाओं का बार-बार उल्लंघन देखा गया। जांचकर्ताओं का आरोप है कि आरोपियों ने गिनती हॉल के अंदर कैश की आवाजाही कर कमजोर निगरानी और अपर्याप्त जांच का फायदा उठाया। रिपोर्ट में कहा गया है कि इस दौरान कम से कम 70 बार चोरी हुई।

20 जुलाई को अगली सुनवाई

इस मामले में अगली सुनवाई 20 जुलाई को होगी, जब कोर्ट याचिकाओं पर विचार करेगा और SIT की जांच के नतीजों की समीक्षा करेगा। तीन याचिकाकर्ताओं में से एक, नरेंद्र कुमार गोस्वामी ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर इस मामले की CBI जांच की मांग की। उन्होंने श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के वित्तीय मामलों की बाब (कंट्रोलर एंड ऑडिटर जनरल) से ऑडिट कराने की भी मांग कीय यह ट्रस्ट राम मंदिर के कामकाज का प्रबंधन करता है। अजय कुमार राय और दिनेश कुमार यादव ने भी ऐसी ही मांग करते हुए दूसरी याचिका दायर की। सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में CBI जांच की मांग के अलावा, RJD सांसद सुधाकर सिंह द्वारा दायर तीसरी याचिका में मंदिर ट्रस्ट के पूरे वित्तीय कामकाज की फॉरेंसिक ऑडिट की मांग की गई है।



कांग्रेस पार्टी के प्रमुख शरद पवार के कुल कार्यकाल के समय को पीछे छोड़ दिया है। 31 जनवरी 2026 तक, फडणवीस ने तीन कार्यकालों में कुल मिलाकर लगभग छह साल और सात महीने (यानी 2,430 दिन) तक मुख्यमंत्री के तौर पर काम किया है। इस उपलब्धि ने फडणवीस को शरद पवार से आगे कर दिया है। शरद पवार ने चार अलग-अलग बार मुख्यमंत्री के तौर पर कुल मिलाकर लगभग छह साल और 221 दिन (2,412 दिन) काम किया, लेकिन इनमें से कोई भी कार्यकाल पूरे पांच साल का नहीं था। इसके उलट, फडणवीस ने 2014 से 2019 तक अपने पहले कार्यकाल में पूरे पांच साल काम किया, उनका दूसरा कार्यकाल छह दिन का था, और अभी वे अपने तीसरे कार्यकाल में हैं, जो 31 जनवरी तक 585 दिनों का हो चुका था।







# फार्मासिस्ट एसोसिएशन ने नवागत औषधि निरीक्षक से की शिष्टाचार भेंट, छह सूत्रीय मांगों का सौंपा ज्ञापन

दैनिक बुद्ध का संदेश



**सिद्धार्थनगर।** अखिल भारतीय फार्मासिस्ट एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं प्रदेश अध्यक्ष के कुशल नेतृत्व में सिद्धार्थनगर जिला कार्यकारिणी द्वारा आशीष पांडे जिला अध्यक्ष के अगुवाई में आज नवागत औषधि निरीक्षक मनोज कुमार सिंह से शिष्टाचार मुलाकात किया गया साथ ही साथ 6 सूत्रीय मांगों को लेकर के ज्ञापन दिया गया। औषधि निरीक्षक द्वारा हमारी सभी मांगों पर ध्यान से सुनकर



विचार करने का आश्वासन दिया गया। आज ही जिलाधिकारी महोदय को भी अखिल भारतीय फार्मासिस्ट एसोसिएशन फार्मासिस्ट संवर्ग के 6 सूत्रीय मांगों का समर्थन पत्र दिया गया जिसमें अवैध रूप से जनपद में चल रहे मेडिकल स्टोर झोला छाप के खिलाफ कार्यवाही ,फार्मासिस्ट के नए पद सृजन करने, किसी फार्मासिस्ट को प्रताड़ित न करने ,फार्मासिस्ट के आवेदन पर नियमानुसार जल्द से जल्द

लाइसेंस जारी करने ,चूँ एकट 2015 को लागू करने तथा किसी भी फार्मासिस्ट के विरुद्ध फर्जी रजिशन बस आईजीआरएस करने पर फार्मासिस्ट को परेशान न करने के आदि के संबंध में ज्ञापन दिया गया। इस अवसर पर अखिल भारतीय फार्मासिस्ट एसोसिएशन के जिला संरक्षक अनिल गुप्ता जिला महासचिव विकास उपाध्याय जिला सचिव सौरव पांडे जिला उपाध्यक्ष सुशील पटेल जिला उपाध्यक्ष आशुतोष



चतुर्वेदी जिला महामंत्री कौलेश्वर चौबे जिला मंत्री दिनेश प्रजापति जिला कोषाध्यक्ष विकास खटीक जिला मीडिया प्रभारी शुभम चतुर्वेदी जिला प्रवक्ता सोमनाथ चौधरी जिला संगठन मंत्री दिनेश कुमार अभिषेक उपाध्याय, कृष्णकांत, परवेज खान, रत्नेश कुमार पांडे राकेश यादव, सुभाष, प्रशांत दीप राजू श्रीवास्तव अंकित चौधरी रिंकू चौधरी ,राजीव रंजन सहित तमाम फार्मासिस्ट मौजूद रहे।

## वैवाहिक जीवन के 51 वर्ष पूर्ण होने पर सांसद जगदंबिका पाल एवं स्नेहलता पाल को शुभकामनाओं का तांता

दैनिक बुद्ध का संदेश

**सिद्धार्थनगर/डुमरियागंज।** डुमरियागंज लोकसभा क्षेत्र के



लोकप्रिय सांसद जगदंबिका पाल एवं उनकी धर्मपत्नी स्नेहलता पाल जी ने आज अपने वैवाहिक जीवन के 51 वर्ष पूर्ण कर लिए। इस शुभ अवसर पर क्षेत्रभर से जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों, कार्यकर्ताओं, शुभचिंतकों एवं नागरिकों ने उन्हें हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ प्रेषित कीं। सांसद जगदंबिका पाल एवं स्नेहलता पाल का दंपत्य जीवन प्रेम, विश्वास, समर्पण, पारिवारिक संस्कार

एवं सामाजिक उत्तरदायित्व का प्रेरणादायक उदाहरण रहा है। सार्वजनिक जीवन में सक्रिय रहते हुए भी सांसद जी ने सदैव पारिवारिक मूल्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है, जिसका श्रेय उनके जीवनसाथी स्नेहलता पाल जी के सहयोग, त्याग एवं सतत प्रोत्साहन को भी जाता है। क्षेत्रवासियों ने कहा कि सांसद जी का जनसेवा के प्रति समर्पण और स्नेहलता पाल जी का सादगीपूर्ण एवं सहयोगी व्यक्तित्व समाज के लिए प्रेरणा का विषय है। दोनों का स्नेह, विश्वास एवं पारस्परिक सम्मान नई पीढ़ी के लिए आदर्श प्रस्तुत करता है। इस अवसर पर सभी शुभचिंतकों ने ईश्वर से प्रार्थना की कि दोनों को उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु, सुख, समृद्धि एवं निरंतर जनसेवा का अवसर प्रदान करें तथा उनका दंपत्य जीवन सदैव प्रेम, सौहार्द और खुशियों से परिपूर्ण रहे।

## नौगढ़ से सोहास मार्ग में पुल निर्माण कार्य धीमी गति के निर्माण से होंगे जनता परेशान

दैनिक बुद्ध का संदेश

**सिद्धार्थनगर।** जनपद मौसम बारिश का आ रहा है जिस समय मूसलाधार बारिश नौगढ़ के अंतर्गत नौगढ़ से सोहास



मार्ग में पुल के निर्माण में धीमी गति होने से विलंब होने पर बारिश का मन आ जाने पर निर्माण कार्य ठप हो जाएगा जिससे कई हजार जनता जनार्दन का आवागमन बाधित होगा जिम्मेदार चाहे अधिकारी हो या ठेकेदार इस पर निगाह नहीं डाल रहे हैं फिलहाल जुलाई में धीरे-धीरे

होगी अगर धीमी गति से निर्माण कर चलेगा तो अवश्य ही समय से निर्माण नहीं हो पाएगा जिससे बारिश का मौसम आ जाएगा और जल जमाव होने पर काम ऑटोमेटिक ठपकर दिया जाएगा और कार्य अधूरा पड़ेगा जिसका जिम्मेदार ठेकेदार यहां के जनप्रतिनिधि होने चाहिए जबकि कई बार इस बात को लेकर सचेत किया गया है कि निर्माण का कार्य में तेजी लाया जाए लेकिन जुलाई माह में भी कार्य देखा जा रहा है कि धीमी गति के साथ कार्य किया जा रहा है कहीं ना कहीं खतरे की घंटी राहगीरो के लिए लटकेगी अगर समय से और तेजी के साथ निर्माण कार्य नहीं किया गया तो इसका जिम्मेदार ठेकेदार और अमला अफिसर भी होंगे।

## राष्ट्रीय ताइक्वांडो चैंपियनशिप के पदक विजेता खिलाड़ी हुए सम्मानित

दैनिक बुद्ध का संदेश

**सिद्धार्थनगर।** जिले के बांसी स्थित डीके फिजिकल फिटनेस सेंटर में शनिवार को मधुर-नुंदावन ओपन राष्ट्रीय ताइक्वांडो चैंपियनशिप में पदक जीतकर सिद्धार्थनगर का नाम रोशन करने वाले नन्हे ताइक्वांडो खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर खिलाड़ियों की मेहनत, अनुशासन और लगन की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई। वक्ताओं ने कहा कि यही खिलाड़ी आने वाले समय में राष्ट्रीय ही नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी भारत का तिरंगा गौरवान्वित करेंगे। कार्यक्रम में सभी पदक विजेता खिलाड़ियों, उनके अभिभावकों एवं सहयोगियों को बधाई देते हुए बच्चों का उत्साहवर्धन करने का आह्वान किया गया।



## जोगिया मिनी स्टेडियम के ऊपर से गुजर रही 11 हजार वोल्ट हाईटेंशन लाइन, खिलाड़ियों और बच्चों पर मंडरा रहा हादसे का खतरा

दैनिक बुद्ध का संदेश

रवि जायसवाल



**सिद्धार्थनगर।** जोगिया क्षेत्र स्थित मिनी स्टेडियम के ऊपर से गुजर रही 11 हजार वोल्ट की हाईटेंशन विद्युत लाइन खिलाड़ियों और बच्चों की सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा बनी हुई है। स्टेडियम में प्रतिदिन क्षेत्र के दर्जनों बच्चे, युवा और खिलाड़ी क्रिकेट, फुटबॉल, एथलेटिक्स सहित विभिन्न खेलों का अभ्यास करने पहुंचते हैं। ऐसे में मैदान के ठीक ऊपर से गुजर रही हाईटेंशन लाइन को लेकर स्थानीय लोगों में लगातार भय और चिंता बनी हुई है। उनका कहना है कि खेल के दौरान ऊंचे शॉट लगने, पतंग या अन्य किसी कारण से

कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि यह समस्या काफी समय से बनी हुई है, लेकिन संबंधित विभाग की ओर से अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। संजय साहनी, मोहन यादव, राहुल मिश्रा, रघुवर साहनी, बबलू जायसवाल सहित अन्य ग्रामीणों का कहना है कि इस संबंध में कई बार बिजली विभाग के अधिकारियों और प्रशासन को लिखित व मौखिक रूप से अवगत कराया गया, लेकिन शिकायतों के बावजूद न तो लाइन को स्थानांतरित करने की प्रक्रिया शुरू हुई और न ही किसी प्रकार के सुरक्षा उपाय किए गए। ग्रामीणों



का कहना है कि स्टेडियम बच्चों और युवाओं के खेल एवं शारीरिक विकास का प्रमुख केंद्र है। छुट्टियों और सुबह-शाम यहां बड़ी संख्या में खिलाड़ी अभ्यास करते हैं। ऐसे में हाईटेंशन लाइन के नीचे खेल गतिविधियां संचालित होना किसी भी समय गंभीर दुर्घटना को आमंत्रण दे सकता है। उनका कहना है कि यदि बारिश, तेज हवा या तकनीकी खराबी के कारण लाइन में कोई समस्या उत्पन्न हुई तो बड़ी जनहानि से इनकार नहीं किया जा सकता। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि किसी अप्रिय घटना का इंतजार करने के बजाय तत्काल

प्रभाव से हाईटेंशन लाइन को स्टेडियम परिसर से हटाने अथवा भूमिगत करने की व्यवस्था की जाए। साथ ही जब तक स्थायी समाधान नहीं हो जाता, तब तक खिलाड़ियों और बच्चों की सुरक्षा के लिए आवश्यक सुरक्षा इंतजाम किए जाएं। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि समय रहते इस गंभीर समस्या का समाधान नहीं किया गया और कोई हादसा होता है, तो इसकी पूरी जिम्मेदारी संबंधित विभाग और प्रशासन की होगी। उन्होंने जिला प्रशासन एवं बिजली विभाग से मामले को गंभीरता से लेते हुए शीघ्र कार्रवाई करने की मांग की है।

## जोगिया सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की स्वास्थ्य व्यवस्था पर उठे सवाल, बुजुर्ग महिला को गोद में उठाकर ले जाता दिखा बेटा

दैनिक बुद्ध का संदेश

रवि जायसवाल



**सिद्धार्थनगर।** जिले के जोगिया सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) की स्वास्थ्य व्यवस्था एक बार फिर सवालों के घेरे में है। सोशल मीडिया पर एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें एक मरीज को परिजन कंधे पर

उठाकर अस्पताल परिसर में ले जाते हुए दिखाई दे रहे हैं। बताया जा रहा है कि वायरल वीडियो जोगिया सीएचसी का है। मरीज की पहचान बरसाती, पत्नी रंजिंदर, निवासी कोरापार के रूप में बताई जा रही है। परिजनों का

आरोप है कि अस्पताल में मरीजों को लाने-ले जाने के लिए स्ट्रेचर जैसी बुनियादी सुविधा भी उपलब्ध नहीं है। मजबूरी में उन्हें मरीज को अपने कंधे पर उठाकर अस्पताल तक लाना और उपचार के बाद वापस घर

ले जाना पड़ता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि स्वास्थ्य विभाग की व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने के लिए सरकार लगातार प्रयास कर रही है, लेकिन जमीनी स्तर पर हालात में अपेक्षित सुधार नहीं दिखाई दे

रहा है। जोगिया सीएचसी की बदहाल व्यवस्था को लेकर लोगों में नाराजगी है और स्वास्थ्य विभाग की कार्यप्रणाली पर लगातार सवाल उठ रहे हैं।



## प्राथमिक विद्यालय की छत से हो रहा रिसाव, जर्जर स्कूल भवन में टपक रहा पानी, खतरे के साये में पढ़ रहे नौनिहाल

दैनिक बुद्ध का संदेश

शशांक मिश्रा



**खेसरहा।** विकासखंड खेसरहा के प्राथमिक विद्यालय बेलरुख पासरीडीह का भवन पूरी तरह जर्जर हो चुका है। बरसात के दौरान विद्यालय की छत से लगातार पानी टपकने से बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है और

उनकी सुख्या पर भी गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। विद्यालय के प्रधानाध्यापक गोविंद राम ने बताया कि भवन काफी पुराना हो चुका है और बारिश होते ही कई कमरों में पानी भरने लगता है। इससे कक्षाओं का संचालन बाधित हो

जाता है। उन्होंने कहा कि इस समस्या की जानकारी पहले ही संबंधित विभागीय अधिकारियों को दी जा चुकी है। अभिभावकों रामशरण, अजय, विद्रावती और राधिका ने बताया कि बच्चे भय के माहौल में पढ़ने को मजबूर

हैं। बरसात के दिनों में छत से टपकते पानी के कारण कक्षाओं में बैठना भी मुश्किल हो जाता है। उन्होंने प्रशासन से विद्यालय भवन की शीघ्र मरम्मत कराने की मांग की है ताकि बच्चों को सुरक्षित वातावरण में शिक्षा मिल सके।

खंड शिक्षा अधिकारी नीरज सिंह ने बताया कि विकासखंड के जर्जर विद्यालय भवनों की सूची प्रशासन को भेजी जा चुकी है। विभागीय स्तर पर आवश्यक प्रक्रिया चल रही है और स्वीकृति मिलते ही मरम्मत कार्य शुरू कराया जाएगा।

## बेलरुख स्कूल में बच्चे पी रहे प्रदूषित पानी, अभिभावकों ने उठाई व्यवस्था सुधारने की मांग

दैनिक बुद्ध का संदेश

शशांक मिश्रा

**खेसरहा।** विकासखंड खेसरहा के जूनियर हाईस्कूल बेलरुख में छात्रों को दूषित पानी पीने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। विद्यालय परिसर में लगा इंडिया मार्क हैंडपंप संतोषजनक नहीं है। उन्होंने कहा कि हैंडपंप के नीचे फर्श न होने से गंदगी जमा होती रहती है। इस संबंध में संबंधित अधिकारियों को अवगत कराते हुए विद्यालय में स्वच्छ पेयजल की व्यवस्था कराने की मांग की गई है। ग्राम प्रधान प्रतिनिधि संतोष ने भी समस्या को स्वीकार करते हुए कहा कि बच्चों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना उनकी

में परेशानी होती है और संक्रमण फैलने की आशंका भी बनी रहती है। विद्यालय के प्रधानाध्यापक जावेद अहमद ने बताया कि हैंडपंप के पानी की गुणवत्ता संतोषजनक नहीं है। उन्होंने कहा कि हैंडपंप के नीचे फर्श न होने से गंदगी जमा होती रहती है। इस संबंध में संबंधित अधिकारियों को अवगत कराते हुए विद्यालय में स्वच्छ पेयजल की व्यवस्था कराने की मांग की गई है। ग्राम प्रधान प्रतिनिधि संतोष ने भी समस्या को स्वीकार करते हुए कहा कि बच्चों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना उनकी

प्राथमिकता है। उन्होंने आश्वासन दिया कि जल्द ही संबंधित विभाग से समन्वय कर हैंडपंप की जांच कराई जाएगी तथा फर्श और जल निकासी की व्यवस्था सुनिश्चित करने का प्रयास किया जाएगा। अभिभावक मेवालाल, जमालुद्दीन, राम भवन और पूनम ने बच्चों के स्वास्थ्य को देखते हुए तत्काल कार्रवाई की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि हैंडपंप का पानी दूषित है तो उसकी जांच कराकर मरम्मत कराई जाए या नया हैंडपंप लगाया जाए, ताकि बच्चों को स्वच्छ और सुरक्षित पेयजल उपलब्ध हो सके।





[illegible]















# हेमा मालिनी की बायोपिक में ड्रीम गर्ल बनेंगी दीपिका पादुकोण ? आलिया-करीना के बजाय सीनियर एक्ट्रेस ने जताई अपनी पसंद



बॉलीवुड की एवरग्रीन ड्रीम गर्ल और दिग्गज राजनेता हेमा मालिनी पिछले छह दशकों से सिनेमा प्रेमियों के दिलों पर राज कर रही हैं। हाल ही में उन्होंने फिल्म इंडस्ट्री में अपने बेमिसाल 60 साल पूरे होने का जश्न (डायमंड जुबली) मनाया। इस खास मौके पर जब उनसे उनकी बायोपिक को लेकर सवाल किया गया, तो उन्होंने मौजूदा दौर की एक टॉप एक्ट्रेस को अपनी भूमिका के लिए सबसे उपयुक्त बताया।

दीपिका पादुकोण को लेकर क्या बोलीं हेमा मालिनी? डायमंड जुबली सेलिब्रेशन के दौरान जब हेमा मालिनी से पूछा गया कि अगर भविष्य में कभी उनकी जिंदगी पर बायोपिक बनती है, तो क्या इस रोल के लिए दीपिका पादुकोण सही पसंद होंगी? इस पर सीनियर एक्ट्रेस ने खुलकर जवाब दिया। हेमा मालिनी ने कहा, 'अगर वह चाहें, तो बिल्कुल कर सकती हैं।' वैसे तो कोई भी कर सकता है, लेकिन दीपिका एक बेहद खूबसूरत और बेहतरीन टैलेंटेड लड़की हैं।'

हेमा और दीपिका के बीच अच्छे संबंध हैं। 2015 में, इस सीनियर एक्ट्रेस ने राम कमल मुखर्जी की लिखी अपनी बायोग्राफी श्रेमा मालिनीरू बियाॅन्ड द ड्रीम गर्लश (जो 2017 में आई थी) को लॉन्च करने के लिए दीपिका को चुना था। दोनों एक्ट्रेस के बीच एक और दिलचस्प कनेक्शन है। दीपिका ने अपने बॉलीवुड डेब्यू शोम शांति ओमश् में जो दो रोल निभाए थे, उनमें से एक हेमा मालिनी से प्रेरित था। फिल्म में उनके किरदार, शांतिप्रिया, को श्रद्धा मर्लेश कहा गया था – यह टाइटल 1970 और 1980 के दशक से ही हेमा मालिनी के साथ जुड़ा हुआ है।

हेमा मालिनी ने अपने डायमंड जुबली सेलिब्रेशन के बारे में बात की फिल्म इंडस्ट्री में अपने 60 साल पूरे होने के जश्न के बाद हेमा मालिनी ने र पर एक पोस्ट भी शेयर किया। उन्होंने लिखा, शक्तिना यादगार और शानदार ढंग से आयोजित इवेंट था। फिल्म इंडस्ट्री में मेरे सालों का जश्न (डायमंड जुबली) इतनी धूमधाम और भव्यता के साथ मनाया गया कि यह सचमुच अविश्वसनीय था।' उन्होंने आगे कहा, 'शॉडिटोरियम में मौजूद शानदार दर्शक मेरी फिल्मों के संगीत में पूरी तरह खोए हुए लग रहे थे और वे आखिर तक वहीं रुके रहे।' हेमा मालिनी का शानदार करियर

बॉलीवुड की श्रद्धा मर्लेश के नाम से मशहूर हेमा मालिनी एक एक्ट्रेस, पॉलिटिशियन, क्लासिकल डांसर और फिल्म प्रोड्यूसर हैं। 1960 के दशक के आखिर में उन्हें पहचान मिली और 1970 और 1980 के दशक में हिंदी सिनेमा पर उनका दबदबा रहा। उन्होंने राज कपूर के साथ शसपनों का सौदागरश् (1968) से हिंदी फिल्मों में डेब्यू किया और तब से कई यादगार फिल्मों में काम किया है, जिनमें इसीता और गीताश्, शशोलेश्, श्रद्धा मर्लेश, रसत्ते पे सत्ताश्, श्द बर्निंग ट्रेनश्, श्जुगनूश् और श्बागबानश् शामिल हैं।

हेमा मालिनी की आखिरी फिल्म 2020 की रोमांटिक कॉमेडी शशिमला मिर्चश् थी, जिसे रमेश सिप्पी ने प्रोड्यूस किया था और जिसमें राजकुमार राव और रकुल प्रीत सिंह मुख्य भूमिकाओं में थे।

# मानसून के दौरान हरी पत्तेदार सब्जियों को धोते समय इन बातों का रखें ध्यान



मानसून के दौरान हरी पत्तेदार सब्जियां कीटों और बैक्टीरिया से अधिक प्रभावित होती हैं। इसलिए इन्हें इस्तेमाल से पहले अच्छी तरह से धोना बहुत जरूरी है। हालांकि, कई लोग इन सब्जियों को सामान्य पानी से ही धो देते हैं, जो कि सही तरीका नहीं है। आइए आज हम आपको हरी पत्तेदार सब्जियों को धोने के कुछ ऐसे तरीके बताते हैं, जिन्हें आजमाकर आप कीटों और बैक्टीरिया से छुटकारा पा सकते हैं।

नमक के पानी का करें इस्तेमाल: हरी पत्तेदार सब्जियों को धोने के लिए नमक का पानी सबसे अच्छा तरीका है। इसके लिए एक बाल्टी पानी लें और उसमें एक बड़ी चम्मच नमक मिलाएं। अब इस मिश्रण में हरी पत्तेदार सब्जियों को 10–15 मिनट के लिए भिगोकर छोड़ दें। इससे कीट और गंदगी आसानी से निकल जाएगी और सब्जियां ताजगी से भरी रहेंगी। नमक का पानी बैक्टीरिया को भी खत्म करता है, जिससे सब्जियां सुरक्षित रहती हैं।

सिरका भी है असरदार: सिरका एक बढ़िया उपाय है, जो हरी पत्तेदार सब्जियों को धोने में मदद कर सकता है। इसके लिए एक बाल्टी पानी में दो बड़े चम्मच सिरका मिलाएं और इसमें हरी पत्तेदार सब्जियों को 5–10 मिनट तक भिगोकर छोड़ दें। इससे न केवल कीट और गंदगी निकल जाएगी, बल्कि बैक्टीरिया भी मर जाएंगे। इसके बाद सब्जियों को साफ पानी से धो लें। यह तरीका सब्जियों को ताजगी से भरा रखता है और उन्हें सुरक्षित भी बनाता है।

नींबू का रस आएगा काम: नींबू का रस भी हरी पत्तेदार सब्जियों को धोने के लिए अच्छा तरीका हो सकता है। इसके लिए एक बाल्टी पानी में एक नींबू का रस निचोड़ें और इसमें हरी पत्तेदार सब्जियों को 5–10 मिनट तक भिगोकर छोड़ दें। इससे न केवल कीट और गंदगी निकल जाएगी, बल्कि बैक्टीरिया भी मर जाएंगे। इसके बाद सब्जियों को साफ पानी से धो लें।

बेकिंग सोडा का करें उपयोग: बेकिंग सोडा एक ऐसा पदार्थ है, जो हरी पत्तेदार सब्जियों को धोने में मदद कर सकता है। इसके लिए एक बाल्टी पानी में एक चम्मच बेकिंग सोडा मिलाएं और इसमें हरी पत्तेदार सब्जियों को 5–10 मिनट तक भिगोकर छोड़ दें। इससे न केवल कीट और गंदगी निकल जाएगी, बल्कि बैक्टीरिया भी मर जाएंगे। इसके बाद सब्जियों को साफ पानी से धो लें।

गर्म पानी का उपयोग भी है अच्छा उपाय: गर्म पानी का उपयोग करके भी आप हरी पत्तेदार सब्जियों को अच्छे से धो सकते हैं। इसके लिए एक बर्तन में गर्म पानी भरें और उसमें एक चम्मच नमक मिलाएं। अब हरी पत्तेदार सब्जियों को इस पानी में डालकर 5–10 मिनट तक छोड़ दें। इससे कीट और गंदगी निकल जाएगी, बैक्टीरिया भी मर जाएंगे। इसके बाद सब्जियों को ठंडे पानी से धो लें।

# दूध से ज्यादा कैल्शियम से भरपूर है ये 5 भारतीय खाद्य पदार्थ, डाइट में करें शामिल



दूध को कैल्शियम का एक अच्छा स्रोत माना जाता है, जो हड्डियों को मजबूती देने और सेहत के लिए फायदेमंद होता है। हालांकि, कुछ भारतीय खाद्य पदार्थ ऐसे हैं, जो दूध से भी अधिक कैल्शियम से भरपूर होते हैं। इन खाद्य पदार्थों को अपनी डाइट में शामिल कर आप हड्डियों को मजबूत करने के साथ-साथ अन्य स्वास्थ्य लाभ भी प्राप्त कर सकते हैं। आइए ऐसे 5 खाद्य पदार्थों के बारे में जानते हैं।

बादाम: 100 ग्राम बादाम में लगभग 264 मिलीग्राम कैल्शियम मौजूद होता है, जो दूध से भी ज्यादा फायदेमंद होता है। इसके अलावा बादाम में फाइबर, आयरन, मैग्नीशियम, पोटेशियम, और प्रोटीन भी अच्छी मात्रा में होते हैं। यह न केवल हड्डियों को मजबूत करता है, बल्कि दिल को स्वस्थ रखने, ब्लड शुगर को नियंत्रित करने और त्वचा को स्वस्थ रखने में भी मदद करता है। इसे आप भिगाकर भी खा सकते हैं।

तिल: तिल के बीज भी कैल्शियम से भरपूर होते हैं, जिन्हें आपको अपने खान-पान का हिस्सा जरूर बनाना चाहिए। 100 ग्राम तिल में लगभग 1,573 मिलीग्राम कैल्शियम होता है, जो आपकी सेहत के लिए बहुत फायदेमंद हो सकता है। इसके अलावा इसमें फाइबर, आयरन, मैग्नीशियम, और प्रोटीन भी होते हैं। तिल का सेवन हड्डियों को मजबूत

करने के साथ-साथ दिल की सेहत को बेहतर बनाने और ब्लड शुगर को नियंत्रित करने में सहायक होता है।

काजू: 100 ग्राम काजू में लगभग 38 मिलीग्राम कैल्शियम होता है, जिसे दूध के साथ मिलाकर खाने पर आपको काफी ज्यादा मात्रा में यह पोषक तत्व मिल सकता है। काजू में फाइबर, आयरन, मैग्नीशियम, और प्रोटीन भी होते हैं। यह दिल को स्वस्थ रखने, ब्लड शुगर को नियंत्रित करने और त्वचा को स्वस्थ रखने में मदद करता है। इसके अलावा काजू में सूजन को कम करने वाले गुण भी होते हैं।

खजूर: 100 ग्राम खजूर में लगभग 64 मिलीग्राम कैल्शियम होता है, जिसे खाने से आपको एक नहीं कई फायदे मिल सकते हैं। खजूर में फाइबर, आयरन, मैग्नीशियम, और प्रोटीन भी होते हैं। यह दिल को स्वस्थ रखने, ब्लड शुगर को नियंत्रित करने और त्वचा को स्वस्थ रखने में मदद करता है। खजूर का सेवन सूजन को कम करने वाले गुणों से भरपूर होता है। इसे आप रोजाना सुबह उठकर डाइट का हिस्सा बना सकते हैं।

मेथी के बीज: 100 ग्राम मेथी के बीज में लगभग 66 मिलीग्राम कैल्शियम होता है। इसमें फाइबर, आयरन, मैग्नीशियम, और प्रोटीन भी होते हैं। यह हड्डियों को मजबूत करने, दिल को स्वस्थ रखने और ब्लड शुगर को नियंत्रित करने में सहायक होता है। इसके अलावा मेथी के बीज सूजन को कम करने वाले गुणों से भी भरपूर होते हैं। इसे पानी में उबालकर पीने से या इससे लड्डू जैसे व्यंजन बनाने से आपको कई फायदे मिल सकते हैं।

# जुरासिक पार्क फेम दिग्गज अभिनेता सैम नील का सिडनी में निधन, 78 वर्ष की उम्र में ली अंतिम सांस



हॉलीवुड की ब्लॉकबस्टर फिल्म सीरीज जुरासिक पार्क में पेलियोन्टोलॉजिस्ट डॉ. एलन ग्रांट का आइकॉनिक किरदार निभाने वाले न्यूजीलैंड के मशहूर अभिनेता सर सैम नील का निधन हो गया है। सोमवार, 13 जुलाई को ऑस्ट्रेलिया के सिडनी में 78 वर्ष की आयु में उन्होंने अंतिम सांस ली। उनके परिवार ने अभिनेता के आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक बयान जारी कर इस दुखद खबर की पुष्टि की।

अचानक हुआ निधन, लेकिन कैंसर—मुक्त थे सैम सैम नील के परिवार द्वारा जारी बयान के मुताबिक, सिडनी में अपने प्रियजनों के बीच उन्होंने बेहद गरिमा के साथ शांति से विदा ली। हालांकि परिवार ने मौत के सटीक कारणों का

खुलासा नहीं किया है, लेकिन उन्होंने इसे श्चानक और अप्रत्याशितश् बताया। राहत की बात यह रही कि निधन के समय वे पूरी तरह से कैंसर—मुक्त थे। गौरतलब है कि साल 2022 में सैम नील को श्स्टेज थ्री एंजियोइम्युनोब्लास्टिक टी—सेल लिम्फोमाश् (एक दुर्लभ प्रकार का ब्लड कैंसर) का पता चला था, जिसका उनका लंबा इलाज चला। उन्होंने अपनी 2023 की आत्मकथा श्डिड आई एवर टेल यू दिस?श् में बीमारी के साथ अपने संघर्ष को खुलकर साझा किया था।

ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज ने र पर एक्टर को श्रद्धांजलि देते हुए लिखा, 'सैम नील ने कई पसंदीदा ऑस्ट्रेलियाई कहानियों में काम किया और ऑस्ट्रेलियाई लोगों के दिलों में एक खास जगह बनाई। मजाकिया और गंभीर, सोच—समझकर और कम शब्दों में बात करने वाले सैम ने बीमारी का सामना उसी गरिमा, हास्य और दृढ़ विश्वास के साथ किया, जिसने उनके हर परफॉर्मेंस को मजबूती दी। उन्हें बहुत याद किया जाएगा। उनकी आत्मा को शांति मिले।'

14 सितंबर, 1947 को उत्तरी आयरलैंड के ओमाग में जन्मे नाइजेल जॉन डर्मोट नील, 1954 में अपने परिवार के साथ न्यूजीलैंड चले गए थे, जब उनके पिता, जो ब्रिटिश सेना में सेवा दे रहे एक न्यूजीलैंडर थे, घर लौट आए थे। बाद में स्कूल के दिनों में उन्होंने 'सैम' नाम अपना लिया। उनका मजाक में कहना था कि नाइजेल के मुकाबले इस नाम के साथ जीना आसान था। नील ने शुरू में क्राइस्टचर्च में लॉ की पढ़ाई की, लेकिन एक्टिंग में करियर बनाने के लिए कोर्स छोड़ दिया। कैंटरबरी यूनिवर्सिटी के प्रोडक्शन में काम करने के बाद, वे वेलिंगटन के डाउनस्टेज थिएटर से जुड़े, जहाँ से उन्होंने अपने प्रोफेशनल करियर की शुरुआत की। उन्हें बड़ी सफलता 1977 में रोजर डोनाल्डसन की फिल्म श्स्लीपिंग डॉग्सश् से मिली, जो अमेरिका में रिलीज होने वाली पहली न्यूजीलैंड फिल्म थी। इसके बाद उन्होंने श्माई ब्रिलियंट करियरश्, श्ओमेन प्फू द फाइनल कॉन्फ्लिक्टश्, आंद्रेज जुलाव्स्की की कल्ट क्लासिक श्पजेशनश्, श्ईविल एंजल्सश् (श्अ क्राई इन द डार्कश्), श्द हंट फॉर रेड अक्टूबरश् और श्इवानहोश् जैसी फिल्मों में शानदार अभिनय किया।

उन्हें अंतरराष्ट्रीय पहचान 1993 में मिली, जब उन्होंने जेन कैंपियन की ऑस्कर—विजेता फिल्म श्द पियानोश् और स्टीवन स्पीलबर्ग की ब्लॉकबस्टर श्जुरासिक पार्कश् में काम किया। पेलियोन्टोलॉजिस्ट डॉ. एलन ग्रांट के तौर पर, नील इस पौराणिक के मुख्य चेहरों में से एक बन गए। उन्होंने श्जुरासिक पार्क प्फू और लगभग तीन दशक बाद श्जुरासिक वर्ल्ड डोमिनियनश् में भी यही भूमिका निभाई।

पांच दशकों से ज्यादा लंबे करियर में, नील ने 150 से ज्यादा फिल्मों और टीवी शो में काम किया। उनकी फिल्मों की लिस्ट में श्डेड कामश्, श्द हंट फॉर रेड अक्टूबरश्, श्द जंगल बुकश्, श्इन द माउथ ऑफ मैडनेसश्, श्इवेंट होराइनजश्, श्बाइसेंटिनियल मैन्श्, श्द डिशश्, श्पीटर रेबिटश् और ताइका वाइटीटी की श्दंट फॉर द वाइल्डरपीपल्श् शामिल हैं। टेलीविजन पर, वह श्पीकी ब्लाइंडर्स्श्, श्द ट्यूडर्स्श्, श्द ट्वेल्वश्, श्द सिम्पसंसश् और श्रिक एंड मॉर्टीश् में नजर आए। उन्हें मिनी—सीरीज श्राइली, ऐस ऑफ स्पाइजश् के लिए गोल्डन ग्लोब नॉमिनेशन भी मिला।

स्क्रीन से दूर, नील को वाइन बनाने में खुशी मिलती थी। न्यूजीलैंड के सेंट्रल ओटागो इलाके में उनका श्चू पैडॉकश् वाइनयार्ड था और वह अक्सर फ्रैंस के साथ फार्म लाइफ की झलकियाँ शेयर करते थे। वह अपने जानवरों के नाम दोस्तों और साथी एक्टर्स के नाम पर रखने के लिए जाने जाते थे।

2023 में आई अपनी आत्मकथा श्डिड आई एवर टेल यू दिस?श् में, नील ने अपने कैंसर के पता चलने और इलाज के बारे में खुलकर लिखा। उन्होंने बताया कि कीमोथेरेपी के दौरान किताब लिखने से उन्हें एक मकसद मिला। हालाँकि बाद में उनकी बीमारी रेमिशन (बीमारी का असर कम होना) में चली गई, फिर भी वह हर महीने इलाज करवाते रहे। नील अपने पीछे काम का एक ऐसा भंडार छोड़ गए हैं जो न्यूजीलैंड सिनेमा से लेकर हॉलीवुड ब्लॉकबस्टर तक फैला है। इसी वजह से उन्हें देश के सबसे मशहूर एक्टर्स में से एक और फिल्म प्रेमियों की कई पीढ़ियों के लिए एक जाना—पहचाना चेहरा माना जाता है।